न्यूज डायरी

मुंबई जैसे आतंकी हमले के बाद ऑस्ट्रिया का जोरदार ऐक्शन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वियना। वियना में मुंबई की तरह से आतंकी हमले के बाद ऑस्ट्रिया की सरकार ने राजनीतिक इस्लाम के खिलाफ जोरदार ऐक्शन शुरू कर दिया है। ऑस्ट्रिया के चांसलर सेबेस्टियन कुर्ज की सरकार ने आतंकवाद के खिलाफ कई सख्त कदम उठाने पर सहमति जताई। इन प्रस्तावों में आतंकी मामलों में दोषी पाए गए लोगों को आजीवन जेल में रखना और उन पर इलेक्ट्रानिक निगरानी रखना शामिल है। राजनीतिक इस्लाम के प्रसार को अपराध माना जाएगा। ऑस्ट्रिया की सरकार धार्मिक रूप से प्रेरित राजनीतिक अतिवाद को अपराध बनाने जा रही है। कुर्ज ने कहा कि इन कदमों को दिसंबर में संसद के समक्ष वोट के लिए रखा जाएगा। इसके तहत ऑस्ट्रिया आतंकी हमले रोकने के लिए दोतरफा कार्रवाई करने जा रहा है। पहला संदिग्ध आतंकियों को निशाना बनाना और उस विचारधारा पर भी हमला बोला जो उन्हें हिंसा के लिए प्रेरित करती है।

ताइवान में दो महीने से कोमा में था युवक, चिकन का नाम सुनते ही आया होश

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) ताइपे। ताइवान में एक सड़क हादसे में बुरी तरह से घायल युवक पिछले 62 दिन से कोमा में था। डॉक्टरों की तमाम कोशिशों के बाद भी यह युवक होश में नहीं आ रहा था। इस बीच उसके भाई ने अचानक उस युवक की फेवरिट डिश चिकन फिलेट का नाम क्या लिया, युवक होश में आ गया। इस युवक का नाम चियू (18) बताया जा रहा है। युवक के होश में आने पर सभी लोग आश्चर्य में हैं। इससे पहले जुलाई महीने में हसिंचू काउंटी में रहने वाला चियू सड़क हादसे का शिकार हो गया था। घटना के समय वह अपना स्कूटर चला रहा था। इस हादसे के दौरान उसके शरीर के कई हिस्सों में गंभीर चोटें आईं। उसे तत्काल अस्पताल ले जाया गया। तोन येन जनरल हॉस्पिटल के आईसीयू के डॉयरेक्टर त्सूंग हसीन ने कहा कि चियू के किडनी, लिवर समेत शरीर के कई हिस्सों में गंभीर चोटें आई थीं।

अब जर्मनी में छात्र ने दी टीचर की सिर काटने की धमकी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बर्लिन। जर्मनी के एक स्कूल में 11 साल के एक बच्चे ने अपनी ही टीचर की गला काटने की धमकी देकर सबको दहशत में डाल दिया। इस जर्मन बच्चे ने कहा कि पैगंबर मोहम्मद साहब का अपमान करने वाले व्यक्ति की हत्या करना जायज है। यह घटना उस समय हुई जब पिछले महीने फ्रांसीसी टीचर सैमुअल पैटी की हत्या की याद में जर्मनी के स्कूल में एक मिनट की शोक सभा का आयोजन किया गया था। इस बच्चे ने उस समय गला काटने की धमकी दी जब शिक्षकों ने चेतावनी दी थी कि यदि पैरेंट्स अपने बच्चों के शिक्षकों के साथ मीटिंग करने में असफल रहते हैं तो उन्हें इसके परिणाम भुगतने होंगे। जर्मन स्कूल में फ्रांसीसी शिक्षक की हत्या की याद में एक मिनट की शोक सभा का आयोजन किया गया था। इस दौरान मुस्लिम बच्चे ने धमकी दी, जो पैगंबर का अपमान करता है, उसकी हत्या करने की आपको अनुमति है। यह ठीक है।

बहरीन के प्रधानमंत्री खलीफा बिन सलमान का निधन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मनामा। बहरीन के प्रधानमंत्री खलीफा बिन सलमान अल खलीफा का 84 साल की उम्र में निधन हो गया है। उनका इलाज अमेरिका के मेयो क्लिनिक अस्पताल में चल रहा था। हाल में ही बहरीन के पीएम इजरायल के साथ शांति समझौता करने के कारण वैश्विक चर्चा में आए थे। उनके निधन पर बहरीन के शाही उच्चाधिकारियों ने शोक व्यक्त किया है। बहरीन के शासक शेख हमद बिन ईसा अल खलीफा ने पीएम खलीफा के निधन पर एक हफ्ते के लिए राजकीय शोक की घोषणा की है। इस दौरान बहरीन में राष्ट्रीय ध्वज आधे झुके रहेंगे। कोरोना वायरस के कारण उनके अंतिम संस्कार के दौरान भी सीमित संख्या में लोगों को शामिल होने की इजाजत दी जाएगी। खलीफा बिन सलमान अल खलीफा दुनिया के सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले प्रधानमंत्रियों में से एक थे।

युवाओं को आकर्षित करने में जूझ रही चीनी सेना

मुश्किल

चीनी सेना को ढूंढे नहीं मिल रहे सैनिक, पूर्व सैनिकों में भी सुलग रहा असंतोष

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

पेइचिंग। पूर्वी लद्दाख में भारतीय सरजमीं पर कब्जा जमाने की कोशिश में लगी चीनी सेना को ढूढ़ने से भी नए सैनिक नहीं मिल रहे हैं। चीन के युवा अब सेना की बजाय अन्य आकर्षक नौकरियों में जाना पसंद कर रहे हैं जिससे पीएलए के लिए बड़ी मुश्किल खड़ी हो गई है। यही नहीं चीन के करीब 5 करोड़ 70 लाख पूर्व सैनिकों में भी रिटायरमेंट के बाद सुविधाएं नहीं मिलने पर असंतोष भड़क रहा है। इन पूर्व सैनिकों को मनाने के लिए अब चीन सरकार लॉलीपाप देने में जुट गई है।

हॉन्ग कॉन्ग से प्रकाशित अखबार साऊथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट के मुताबिक चीन की सेना अब पढ़े लिखे युवाओं को आकर्षित करने में असफल साबित हो रही है। इन युवाओं के पास अब अपने पूर्व की पीढ़ी के मुताबिक और ज्यादा कैरियर विकल्प हैं। वुहान यूनिवर्सिटी में राजनीति विज्ञानी प्रफेसर क्नि

किआनहोंग ने कहा कि चीन को और ज्यादा काम करने की जरूरत है ताकि युवाओं के लिए सेना आकर्षक कैरियर विकल्प बनी रहे।

पूर्व सैनिकों ने सुविधाएं देने के लिए प्रदर्शन किया: उधर, चीन में पूर्व सैनिकों में भी असंतोष बढ़ता जा रहा है। हाल के वर्षों में पूर्व सैनिकों ने सुविधाएं देने के लिए बड़े पैमाने पर प्रदर्शन किया है। पिछले साल जनवरी में ही 19 प्रदर्शनकारियों को अरेस्ट किया गया था। इस असंतोष के बाद चीन ने अब पूर्व सैनिकों की मदद के लिए बुधवार को एक नए कानून को पारित किया है। चीन में कुल 5 करोड़ 70 लाख पूर्व सैनिक हैं।

चीन के नैशनल पीपुल्स कांग्रेस की स्थायी समिति ने इस विधेयक को स्वीकार कर लिया है। शिन्हुआ की रिपोर्ट के मुताबिक पूर्व सैनिकों को अब नौकरी के अन्य अवसर, भत्ते, नौकरी, प्रशिक्षण, शैक्षिक अवसर दिए जाएंगे। नए कानून के तहत पूर्व सैनिकों को नौकरी देने वाली कंपनियों को टैक्स में राहत दी जाएगी। साथ ही स्थानीय सरकारें अब पूर्व सैनिकों को वैकल्पिक रोजगार तलाश करने में मदद करेंगी।

चीनी जवानों के रोने का विडियो वायरल: इससे पहले चीनी जवानों का एक वीडियो तेजी से वायरल हो गया था जिसमें दावा किया जा रहा था कि ये चीनी सैनिक भारतीय सीमा पर अपनी पोस्टिंग होने से रो रहे हैं। इस वीडियो को पहले चीनी सोशल मीडिया वीचैट पर पोस्ट किया गया था लेकिन बेइज्जती होने के डर से चीनी प्रशासन ने इसे डिलीट कर दिया था। ताइवान न्यूज की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इस वीडियो को फूयांग रेलवे स्टेशन जाते समय बस में शूट किया गया था।

सेना में भर्ती इन नये जवानों को यहां से ट्रेनिंग के बाद भारत से लगी सीमा पर पोस्टिंग के लिए भेजा जा रहा था। इन जवानों को पहले हुबेई प्रांत के एक मिलिट्री कैंप जाना था। वहां से इनकी पोस्टिंग भारतीय सीमा पर होनी थी।

ट्रंप ने चुनाव में बाइडेन की जीत को मानने से इनकार किया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। दुनिया के सबसे शक्तिशाली देश अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनकी रिपब्लिकन पार्टी ने राष्ट्रपति चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता जो बाइडेन की जीत को मानने से इनकार कर दिया है।

राष्ट्रपति ट्रंप लगातार ट्वीट करके जो बाइडेन की जीत पर सवाल उठा रहे हैं और चुनाव में धांधली के आरोप लगा रहे हैं। यही नहीं ट्रंप ने चुनाव परिणाम के बाद अचानक से अपने रक्षा मंत्री मार्क एस्पर को बदल दिया है। ऐसे में सवाल उठने लगा है क्या डोनाल्ड ट्रंप सत्ता में बने रहने के लिए सैन्य तख्तापलट की तैयारी कर रहे हैं।

ट्रंप के इस रुख से इस बात को लेकर चिंता बढ़ गई है कि राष्ट्रपति ट्रंप और उनकी पार्टी के नेता सत्ता में बने रहने के लिए हरेक प्रयास करेंगे। अमेरिका के विदेश मंत्री माइक पोम्पियो ने भी पिछले दिनों कहा था, ट्रंप प्रशासन के दूसरे कार्यकाल के लिए आसानी से सत्ता हस्तांतरण होगा।

सत्ता में बने रहने के लिए ट्रंप प्रशासन के इस तमाम दांवपेच के बाद भी अमेरिकी विशेषज्ञों का कहना है कि ट्रंप के पास अब सत्ता में बने रहने के लिए कोई विकल्प नहीं बचा है।

तीसरे विश्वयुद्ध की तैयारी में व्लादिमीर पुतिन?

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) रूस। दुनिया की सबसे बड़ी परमाणु ताकत रूस ने तीसरे विश्व युद्ध की अपनी तैयारी को तेज कर दिया है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने देश के 6375 परमाणु बमों को नियंत्रित करने के लिए एक अत्याधुनिक सुरक्षा उपायों से लैस न्यूक्लियर कमांड पोस्ट का निर्माण कराया है। पहाड़ों के बीच बना यह रूसी न्यूक्लियर कमांड पोस्ट तीसरे युद्ध के दौरान परमाणु बम के हमले को भी झेल जाएगा और काम करता रहेगा। पुतिन ने बताया कि यह न्यूक्लियर कमांड पोस्ट लगभग बनकर तैयार हो गया है। उन्होंने कहा कि इस कमांड सेंटर के जरिए परमाणु हमले की सूरत में भी रूस अपने न्यूक्लियर बम को नियंत्रित कर सकेगा।

हाफिज सईद को झटका, जमात-उद-दावा के प्रवक्ता को 32 साल की कैद

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

लाहौर। पाकिस्तान की एक आतंकवाद रोधी अदालत ने जमात-उद-दावा (जेयूडी) के प्रवक्ता को आतंकवाद के वित्तपोषण मामले में 32 साल कैद की सजा सुनाई है। जमात-उद-दावा (जेयूडी) मुंबई हमले के मास्टर माइंड हाफिज सईद का आतंकवादी संगठन है।

आतंकवाद रोधी अदालत (एटीसी) ने बुधवार को यहां सईद के बहनोई सहित जेयूडी के तीन सदस्यों को आतंकवाद के वित्तपोषण मामलों में दोषी ठहराया। अदालत के एक अधिकारी ने कहा, 'एटीसी के न्यायाधीश एजाज अहमद बुत्तार ने जेयूडी

के प्रवक्ता याहया मुजाहिद को दो मामलों में 32 साल की सजा सुनाई। वहीं प्रफेसर जफर इकबाल और प्रफेसर हाफिज अब्दुल रहमान मक्की (सईद का बहनोई) को दो मामलों में क्रमशः 16 और एक साल कैद की सजा सुनाई है।' उन्होंने बताया कि संगठन के दो अन्य सदस्य अब्दुल सलाम बिन मुहम्मद और लुकमान शाह को आतंकवाद के वित्तपोषण संबंधी अन्य मामलों में दोषी ठहराया गया है। अदालत ने अभियोजन पक्ष को 16 नवम्बर को अपने गवाह पेश करने का निर्देश दिया है। सुनवाई के समय संदिग्ध कड़ी सुरक्षा के बीच अदालत में मौजूद थे और इस दौरान मीडिया को अदालत परिसर में जाने की अनुमति नहीं थी।

फ्रांस के राष्ट्रपति ने इस्लामिक आतंकवाद को बताया खतरा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) पेरिस। अफ्रीकी देश में मोजांबिक में 50 लोगों की गला काटकर हत्या करने से भड़के फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रां ने इस्लामिक आतंकवाद के बढ़ते खतरे के प्रति दुनियाभर को आगाह किया है। फ्रांसीसी राष्ट्रपति ने कहा, इस्लामिक आतंकवाद एक अंतरराष्ट्रीय खतरा है और इससे निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय जवाब की जरूरत है। मैक्रां ने ट्वीट करके कहा, मोजांबिक 50 से ज्यादा लोगों की गला काटकर हत्या कर दी गई, महिलाओं का अपहरण कर लिया गया, गांवों को लूट लिया गया और उसमें आग लगा दी गई। उन्होंने कहा, जंगली लोगों ने एक शांति के धर्म का अपहरण कर लिया ताकि आतंक के बीज को बोया जा सके। इस्लामिक आतंकवाद एक अंतरराष्ट्रीय खतरा है और इसके खिलाफ अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रिया की जरूरत है।

बता दें कि मोजांबिक में सीरिया से भागकर आए आईएसआईएस के आतंकी कहर बरपा रहे हैं। सरकारी सेनाओं के मैदान छोड़कर भागने के कारण यह आतंकी संगठन पूरे देश में तेजी से पांव पसार रहा है।